SNBP International & Senior Secondary School, Chikhali, Pune.
Affiliation No. 1130703
Academic session 2024-25
Class Notes

CLASS: 5 SUBJECT: हिंदी

Prepared By: Salma (Date:) LESSON- 1 कविता क) विमल इंदु की विशाल किरणें , ख) भारत-मंदिर व्याकरण- 1. भाषा और व्याकरण

प्रश्न-१) शब्दार्थ मधुश्री पाठ्यपुस्तक से नोटबुक में लिखिए।

प्रश्न-२) दिए गए शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए-

क) आदर्श- सिद्धांत, मिसाल

वाक्य- हमें जीवन में अच्छे आदर्श अपनाने चाहिए।

ख) मनोरथ- मन की इच्छा

वाक्य- ईश्वर हमारी मनोरथ पूरी करते हैं।

प्रश्न-३) खाली स्थान भरिए-

क) ईश्वर की दया का प्रसार **सागर** के रूप में फैला हुआ है।

ख) ईश्वर की **धीमी** हँसी चाँदनी के रूप में दिखाई देती है।

ग) **तरंगमालाएँ** ईश्वर की प्रशंसा का राग गा रही हैं।

प्रश्न-४) लघु उत्तरीय प्रश्न

क) अजातशत्रु कैसे बना जा सकता है?

उत्तर- सभी को अपना मित्र बनाकर अजातशत्रु बन जा सकता है।

ख) माई का लाल कौन है?

उत्तर- माई का लाल वह है जो दूसरों के दुख को समझता है।

ग) तरंगमालाएँ क्या कर रही हैं?

उत्तर- तरंगमालाएँ ईश्वर की प्रशंसा के राग गा रही हैं।

प्रश्न-५) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

क) परमात्मा को दयानिधि कहने का क्या कारण हो सकता है?

उत्तर- परमात्मा को दयानिधि कहने का कारण यह है कि परमात्मा दया का भंडार है। उनमें किसी के प्रति बैर मौजूद नहीं है। वे सब को एक समान तौर पर स्वीकार करते हैं।

ख) किस प्रसाद को पाने की बात कही गई है?

उत्तर- यहाँ पर लेखक कल्याण रूपी प्रसाद पाने की बात कर रहे हैं। इस कल्याण रूपी प्रसाद से हमारा जीवन अत्यंत सुखमय हो सकेगा और विश्व में शांति स्थापित होगी।

ग) प्रभु की दया की तुलना सागर से क्यों की गई है?

उत्तर- प्रभु की दया की तुलना सागर से इसलिए की गई है क्योंकि सागर में अत्यंत जल मौजूद होता है,जिसे मापा नहीं जा सकता। ठीक उसी प्रकार प्रभु के हृदय में दया का भंडार मौजूद है। प्रभु सब पर अपनी कृपा दृष्टि बनाए रखते हैं।

घ) मन के चित्र बनाने से क्या अभिप्राय है?

उत्तर- इसका अर्थ है कि हमारे पास देश और जीवन रूपी संसाधन मौजूद हैं और हम अपनी मेहनत और लगन से अपने देश और जीवन को कोई आकार दे सकते हैं।

प्रश्न-६) भाव स्पष्ट कीजिए-

क) तुम्हारे हँसने की धुन ----------जा रही है।

भाव- इन पंक्तियों के माध्यम से कवि ने कहा है कि यदि तुम्हें ईश्वर के हँसने की आवाज़ सुननी है तो नदियों की आवाज़ को सुनो। अर्थात नदियों की आवाज आपको ईश्वर के हँसने की धुन जैसी लगेगी।

ख) सब तीर्थों का----------बना लें हम।

भाव- इन पंक्तियों के माध्यम से कवि ने कहा है कि हृदय पवित्र बनाना सभी तीर्थों में उत्तम है। सभी तीर्थों का यही उद्देश्य है कि मानव हृदय से पवित्र बने और एक-दूसरे के सुख-दुख में साथ दें।

ग) तेरी प्रशंसा का----------गा रही हैं।

भाव- इन पंक्तियों के माध्यम से कवि ने कहा है कि ईश्वर की प्रशंसा का गीत समुद्र की लहरों के शोर में सुनाई देता है।

घ) मुक्ति लाभ----------एक-एक अनुयायी का।

भाव- इन पंक्तियों के माध्यम से कवि ने कहा है कि भारत देश के प्रत्येक अनुयायी का यह कर्तव्य है कि वे भारत के निवासी होने का लाभ उठाकर मुक्ति को प्राप्त कर लें।

प्रश्न७) गतिविधि-कल्पना कीजिए- नदी और सागर आपस में बात कर पाते तो क्या बातचीत करते? नोटबुक में दोनों के पाँच-पाँच संवाद लिखिए।

व्याकरण पाठ-१ भाषा और व्याकरण

भाषा- भाषा भावों तथा विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम है।

भाषा के दो रूप होते हैं- १) मौखिक भाषा २) लिखित भाषा

१) मौखिक भाषा- बोलना और सुनना भाषा का मौखिक रूप है। जैसे-फोन पर एक-दूसरे से बातें करना, गाना सुनना आदि।

२) लिखित भाषा- लिखना और पढ़ना भाषा का लिखित रूप है।जैसे- पत्र लिखना ईमेल करना अखबार पढ़ना आदि।

बोली- बोली भाषा का क्षत्रिय रूप होती है।

बोली और भाषा में अंतर- बोली किसी विशेष क्षेत्र तक सीमित होती है, जबकि भाषा बहुत बड़े स्तर पर बोली जाती है।

लिपि- भाषा के लिखने के ढंग या विधि को लिपि कहते हैं। प्रत्येक भाषा की अपनी लिपि होती है। जैसे- भाषा लिपि

संस्कृत ,हिंदी ,मराठी ,गुजराती	देवनागरी
उर्दू	फ़ारसी
अंग्रेजी	रोमन

व्याकरण- भाषा के शुद्ध रूप की जानकारी देने वाला शास्त्र ही व्याकरण कहलाता है।

जैसे- अशुद्ध रूप- बच्चे को खिलाओ छीलकर केला।

शुद्ध रूप- बच्चे को केला छीलकर खिलाओ।